भारतीय जनता पार्टी

(केन्द्रीय कार्यालय)
11, अशोक रोड नई दिल्ली – 110001
फोन नं. : 23005700; **फैक्स** : 23005787

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद श्री प्रकाश जावडेकर द्वारा शनिवार, 02 अगस्त, 2008 को जारी प्रेस वक्तव्य

1. आईएईए में सेफगार्ड करार का पारित हो जाना खुशी का अवसर नहीं है, बल्कि उन शर्तों के परिणामों के अन्दर तक झांकने का अवसर है, जिन्होंने हमें सदा के लिए बंधक बना लिया है। जैसीकि आशंका भाजपा को थी, उक्त करार भारत–विशिष्ट न होकर गैर–परमाणु अस्त्रों से सम्पन्न देशों के लिए मात्र दिखावे का करार है। इस करार की प्रस्तावना में भारत की चिंताओं के प्रति दिखावटी प्रेम मात्र दर्शित है, किन्तु यह व्यवहारगत करार का भाग नहीं है। भारत आईएईए सेफगार्ड करार ऐसी सतत और विधिकतः अपरिवर्तनीय बाध्यताओं से जकड़ा हुआ है कि जिन्हें भारत स्थगित या समाप्त नहीं कर सकता चाहे आपूर्तिकर्ता देश ईंधन की तथा रिपलेस्मेंट कल–पुर्जो की आपूर्ति भी बंद कर दें।

अब भारत ईंधन की सतत आपूर्ति की गारंटी के बिना ही आईएईए के लगातार निरीक्षण के अधिकार–क्षेत्र में आ गया है। भाजपा अमेरीका के साथ सामरिक भागीदारी चाहता था, किन्तु संप्रग ने जो हासिल किया है वह है सामरिक दासता। जबकि पांच सुस्थापित परमाणु अस्त्र सम्पन्न राष्ट्रों ने निरीक्षण हेतु 400 सुविधाओं में से अपनी केवल 11 सुविधाओं को निरीक्षण हेतु पेश किया है, वहीं भारत 14 रिएक्टरों तथा 21 अन्य संस्थानों के सतत निरीक्षण कराने के लिए सहमत हो गया है।

निकोलस बर्न्स के बयान को सावधानीपूर्वक पढ़े जाने पर भाजपा की एक और आशंका सच निकली है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि हाइड एक्ट 123 करार पर लागू होता है तथा भारत पर आगे परमाणु परीक्षण करने पर रोक लगाता है। यदि भारत भविष्य में परमाणु परीक्षण करता है तो अमेरीका ईंधन, संयत्र, मशीनरी और अतिरिक्त कल–पुर्जे भारत की अनुमति बिना वापस ले सकता है। निकोलस बर्न्स का बयान भाजपा द्वारा किए गए निर्वचन को उचित ठहराता है और सरकार के बयान को झुठलाता है। यही कारण है कि सरकार इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है।

भाजपा सरकार से पूछना चाहती है कि वह इस करार के जरिए पैदा की जाने वाली ऊर्जा के मुद्‌दे पर साफ–साफ बात क्यों नहीं कर रही है। हमारे सरकार से तीन सवाल हैं :

क. इस करार से कुल कितनी ऊर्जा (मेगा वाट में) उपलब्ध होगी ?

ख. नए रिएक्टर कब बिजली पैदा करना शुरू कर देंगे ?

ग. नई क्लीयर ऐनर्जी (बिजली की प्रति यूनिट) का लागत खर्च क्या है ?

हम जानते है कि गत तीन वर्षो से सरकार इन तीन महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर पर चुप क्यों है, क्योंकि इन प्रश्नों का उत्तर सरकार के लिए एक ***असहज सत्य*** बन जाएगा।

2. कांग्रेस–सपा नापाक गठबंधन के कुटिल चालबाजी विभाग द्वारा भाजपा को बदनाम करने का प्रयास पूरी तरह विफल हो गया है। सारी जनता को संदेह है कि कु–कल्पित जाली सीडी की प्रस्तुति उसी विभाग की करतूत है, जिसकी डॉयरेक्टर कांग्रेस पार्टी है, प्रोड्यूसर अमर सिंह है और डिस्ट्रीब्यूटर उमा भारती है। अमर सिंह जी ने एक राष्ट्रीय पाक्षिक समाचार पत्र को दिए गए साक्षात्कार में अन्य दलों के सांसदों को प्रलोभन देने की बात स्वयं स्वीकार की थी। साक्षात्कार में उन्होंने कहा था, ”मैं पार्टियों को तोड़ता नहीं हूं। मेरी उपस्थिति में सांसद स्वयं पिघलने लगते हैं। मैं उन्हें उठाकर एक पात्र में उंडेल देता हूं। मेरे साथ उनसे भी अधिक सांसद होंगे, जिनका मैंने दावा किया है।” अमर सिंह जी को सांसदों को लुभाने और पार्टियों को पिघलाने के तरीकों और फार्मूले के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए।

अब यह साबित हो गया है कि उक्त जाली सीडी विश्वास मत के पश्चात् भाजपा को बदनाम करने और उस ओरिजनल सीडी से ध्यान हटाने के लिए शूट की गई थी, जिसका संसदीय समीति द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है और जिसको मूल रूप में स्टिंग करने वाले चैनल ने टेलीकास्ट नहीं किया है। भाजपा को विश्वास है कि इस जंग में सत्य की विजय होगी और कांग्रेस–सपा नापाक गठबंधन के कुत्सित इरादों की हार होगी। इस देश के लोगों ने महसूस कर लिया है कि यह नापाक गठबंधन अपने पापों को और कूट रचित विजय जुटाकर लोकतंत्र को ध्वस्त करने के पैशाचिक कार्य को छिपाने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है।

(श्याम जाजू)
मुख्यालय प्रभारी